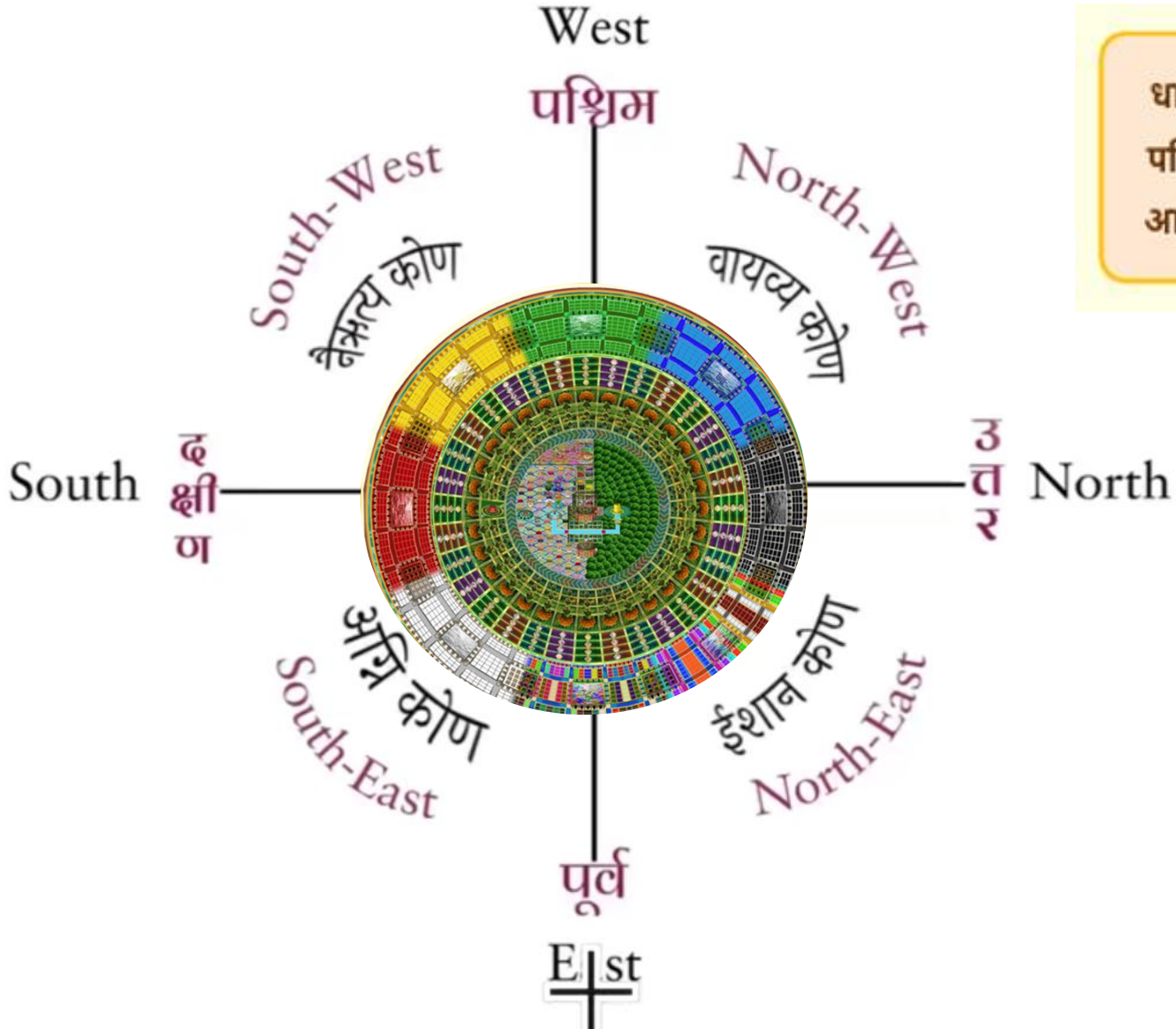




धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे ।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए ।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के ॥

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ॥

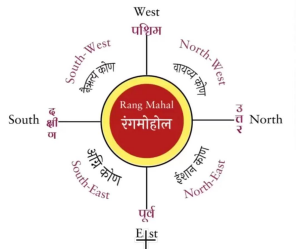
परि. 43/60



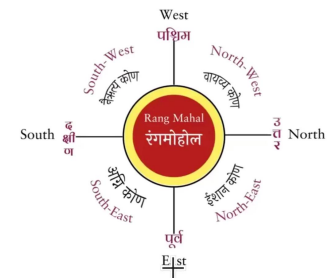
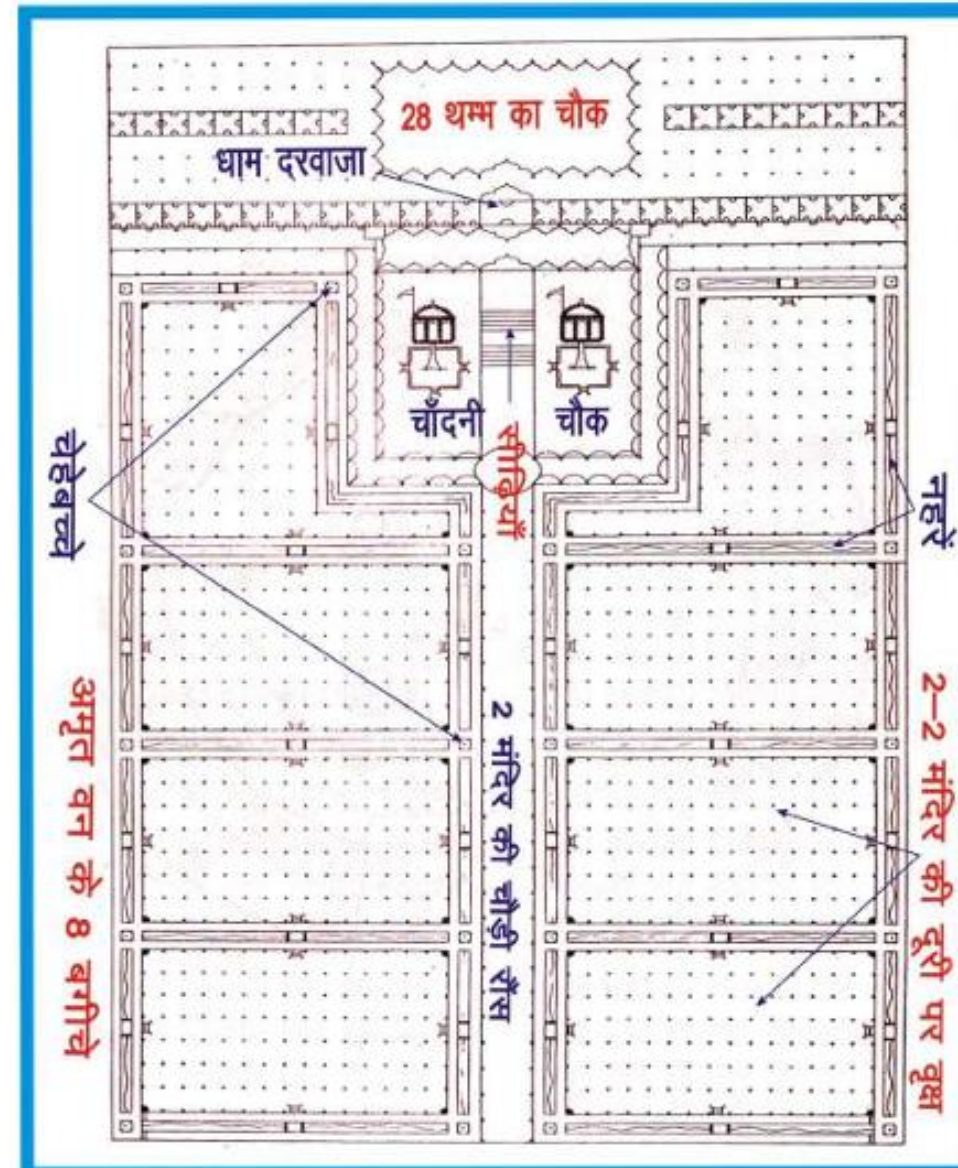
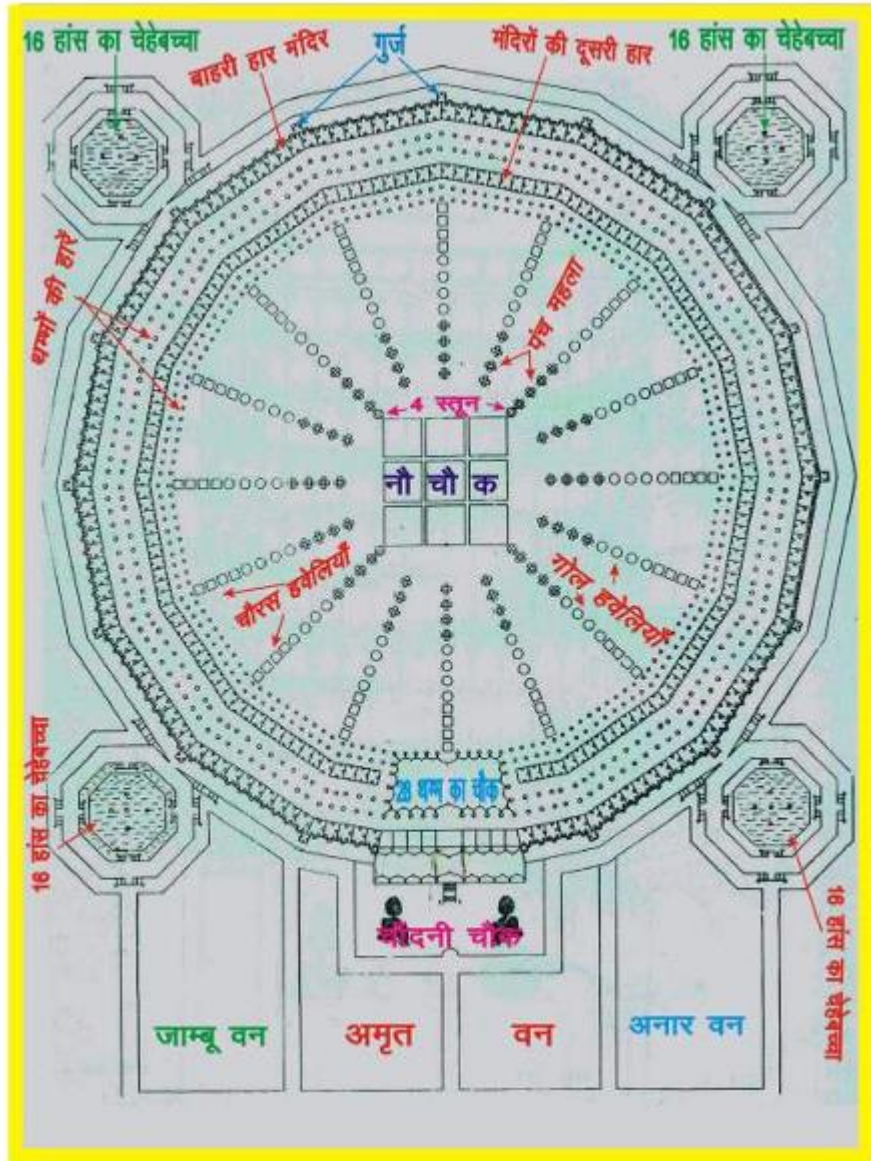


चांदनीचोक

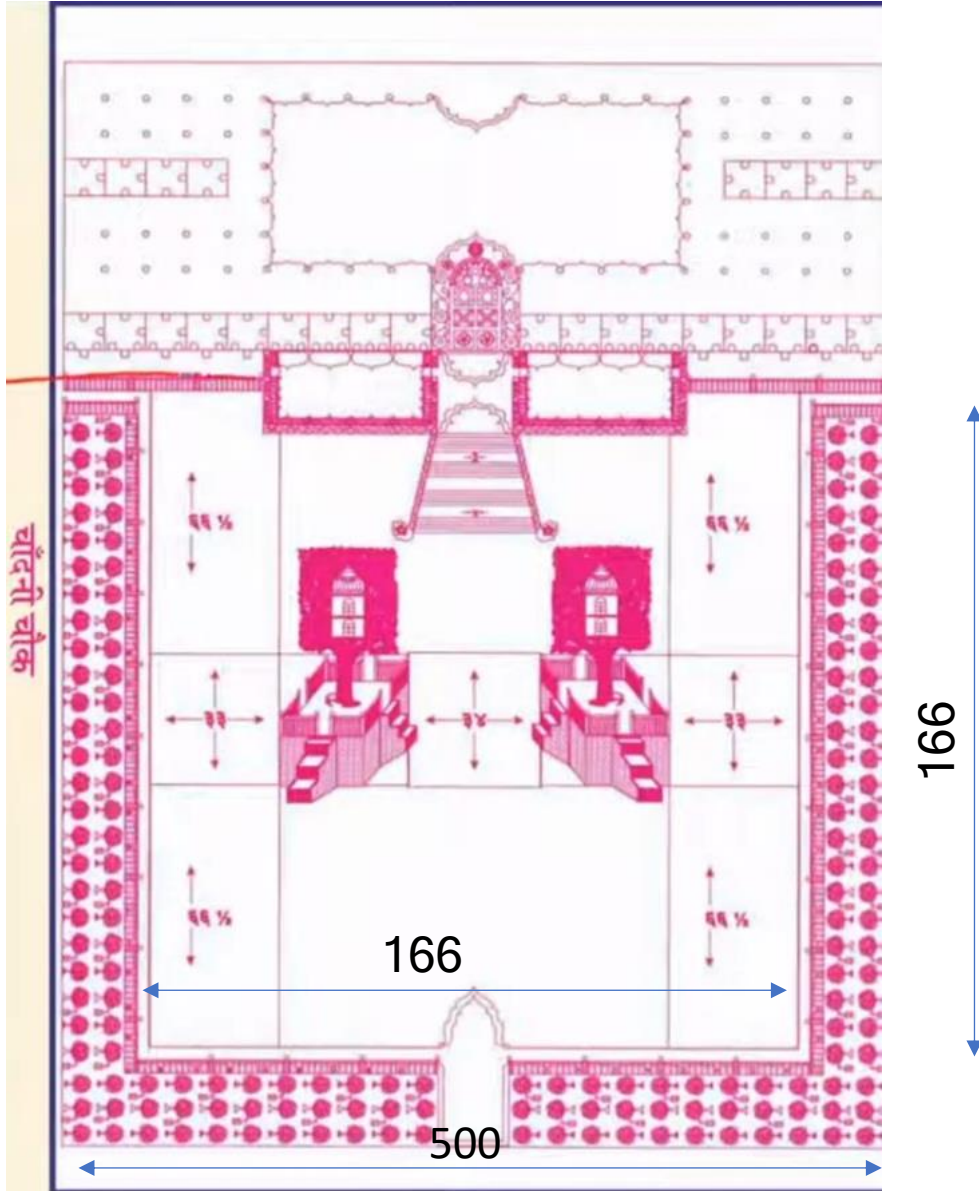
- चबुतरा
- लाल वृक्ष
- हरा वृक्ष
- नूरमयी रेती
- अमृत वन
- सीढियों
- रंगमहल
- धाम दरवाजा
- धाम चबुतरा
- रोंस



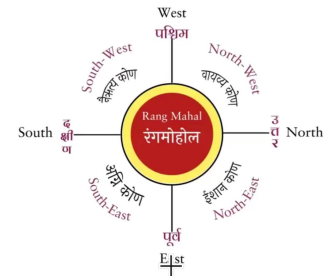
Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा



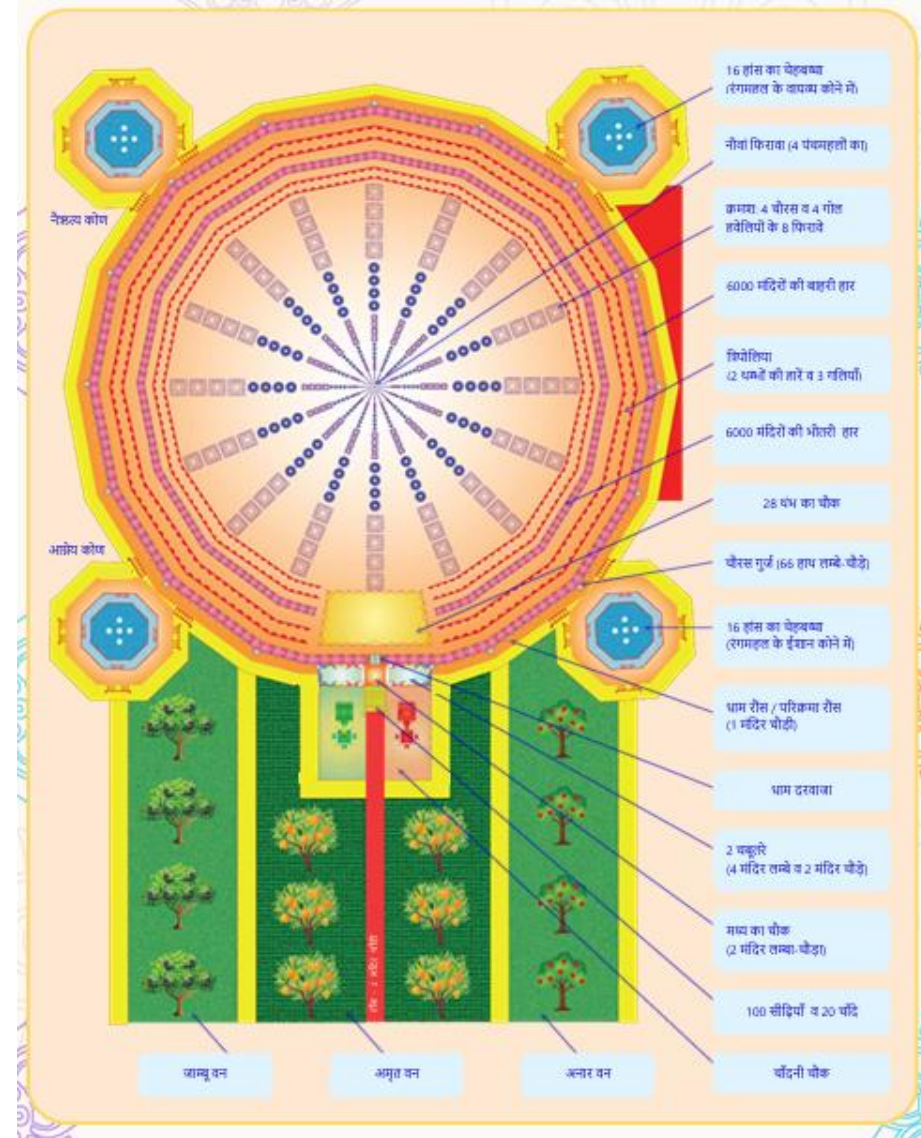
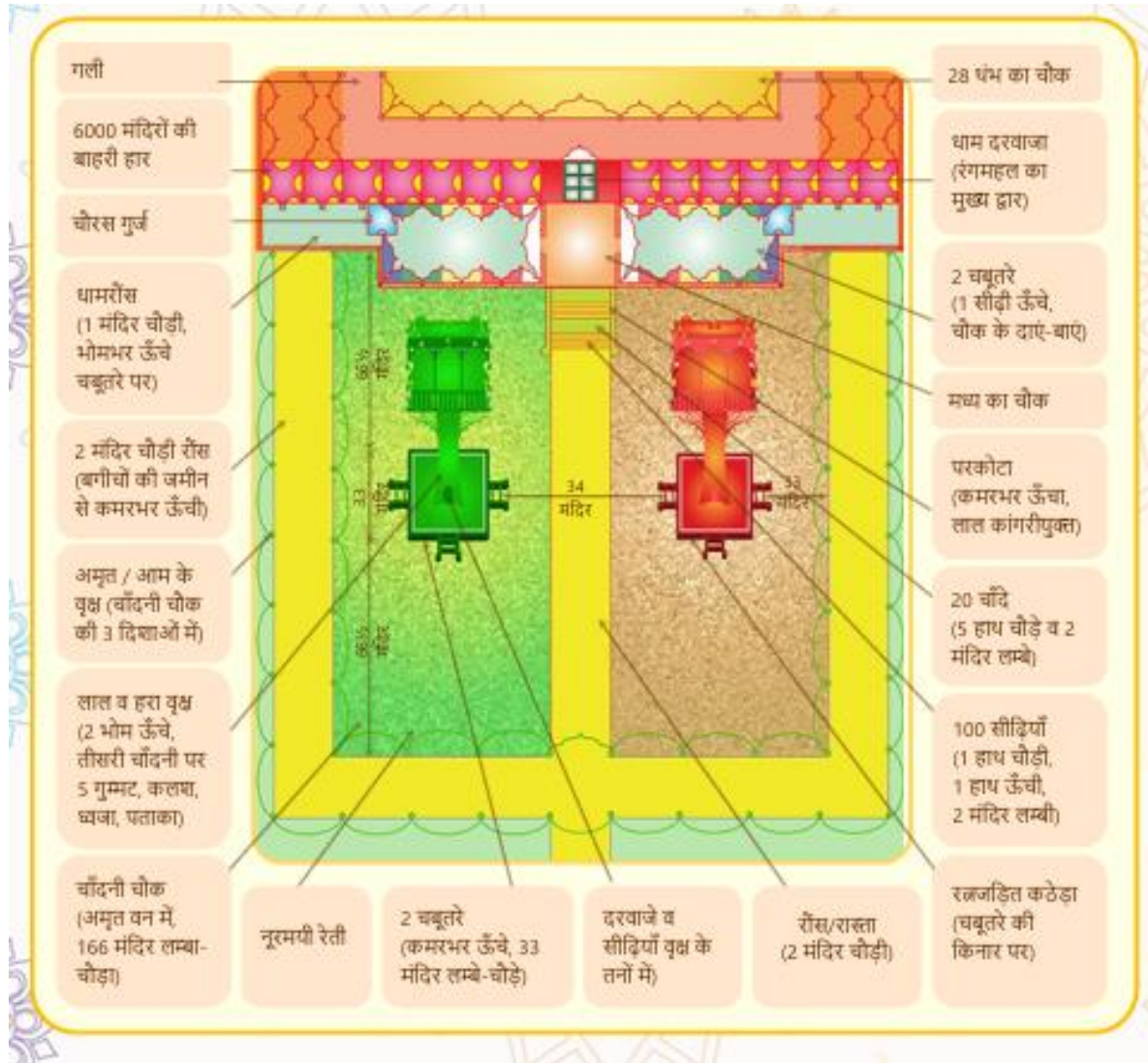
Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा



चांदनी चौक	166 x 166
चबूतरा	कमर भर 33 x 33 3 सिढियाँ 2भोम & चदनी लाल वृक्ष ,हरा वृक्ष (अमृत)
रंगमहल	100 सिढियाँ 20 चादे 1 चोक (2 x 2) 2 चबूतरा (4 x 2) धाम दरवाजा 10 भोम



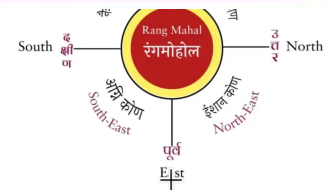
Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा



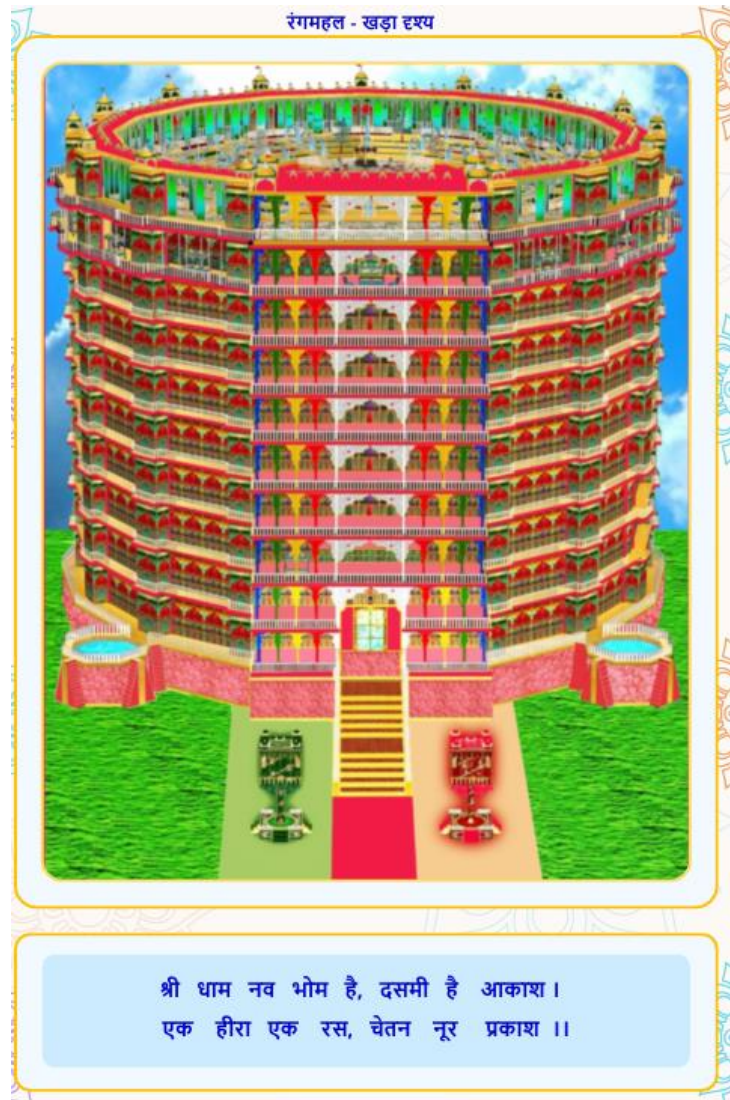


इन चौक खुली जो चाँदनी , आगूं बड़े दरबार ।
उज्जल रेती झलकत , जोत को नाहीं पार ॥

परि. 30 / 23



Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा



Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा

5 सीढ़ियों के बाद एक लम्बी वाली जो सीढ़ी आती है उसे चाँदा कहते हैं।



सीढ़ियों में अति सुन्दर गिलम बिछी हुई है और किनारे पर परकोटा आया है।

सीढ़ियाँ चढ़ कर हम दो मन्दिर के लम्बे चौड़े चौक में मुख्यद्वार के बाहर खड़े हो गए।



उत्तर और दक्षिण में दो चबूतरे कमरभर ऊँचे 4-4 मन्दिर के लम्बे और 2 मन्दिर के चौड़े शोभायमान हैं।





चांदनीचोक लीला

इत तखत कदले कुरसियाँ , बैठें रूहें बारे हजार ।
सुख इतके हमारे कहाँ गये , मोर नचावनहार ॥ परि. 20/16

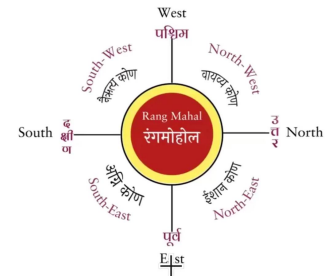
आगूं इन चबूतरों , खेलावत जानवर ।
नए नए रूप रंग ल्यावहीं , अनेक विध हुनर ॥ परि. 30/21

आगूं अर्श चबूतरे , हम सखियाँ बैठत मिलकर ।
ऐ सुख हमारे कहाँ गये , खेलत नाचत बांदर ॥ परि. 20/15

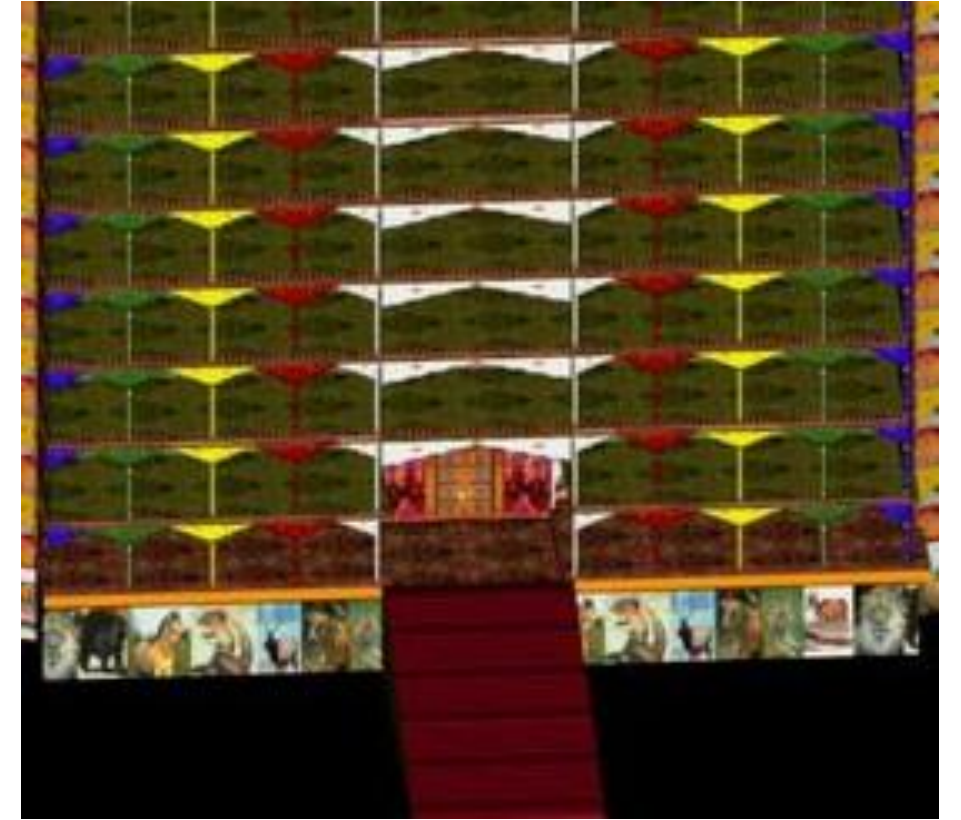
कई मिलावे सोहने , धनी सैयों के खिलौने ।
पशु पंखी जुत्थ मिलत , आगूं बड़े दरवाजे खेलत ॥ परि. 3/59

आये दरवाजे आगे खड़े , खेलौने अति घन ।
स्याम स्यामाजी साथ को , पशु पंखी लेवें दरसन ॥ परि. 5/14

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोहें तब ॥ परि. 3/65

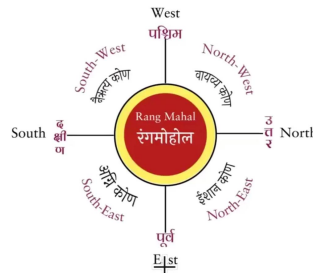


Chandani Chowk and Dham Chabutra - चांदनीचोक , धाम चबुतरा



आगूं इन चबूतरों , खेलावत जानवर ।
नए नए रूप रंग ल्यावहीं , अनेक विध हुनर ॥

परि. 30/21





OR

